पाठ योजना – 5

शिक्षक आकलन योजना

विषय – गणित | कक्षा – 5 | टर्म – II

पाठ/अवधारणा/थीम/घटक – 6. भिन्न की समझ, 7. तुल्य भिन्न | दिनांक ..... से ..... तक

समूह 1 के बच्चों के रोल नम्बर :–	**समूह 2 के बच्चों के रोल नम्बर :–**
सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण अधिगम उद्देश्य :– 1. समूह में रखी वस्तुओं के हिस्से समझना। 2. संख्या रेखा पर भिन्न संख्याओं को दर्शा सकना। 3. भिन्न संख्याओं की तुलना कर सकना। 4. तुल्य भिन्न की अवधारणा समझ सकेगें।	

सम्पूर्ण कक्षा के लिए प्रस्तावित गतिविधियां (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत)	**सतत आकलन योजना**	**समीक्षा एवं अनुभव** (बच्चों की सहभागिता/कठिनाई एवं योजना में बदलाव के बारे में)
समूहिक कार्य :– समूहिक रूप से बच्चों को रोटी के टुकड़े कर श्यामपट्ट पर चित्र के माध्यम से भिन्न $=\frac{\text{अंश}}{\text{हर}}$ की समझ बनायी जाएगी। बच्चों को संख्या रेखा पर भिन्न समझायी जाएगी व प्रथम टर्म की बुनियादी क्षमताओं का पुनरावलोकन किया जाएगा। बच्चों को भिन्न संख्याओं को विभिन्न उदाहरणों द्वारा समझाना। **उपसमूह कार्य :–** उपसमूह में छात्रों को $\frac{1}{2}, \frac{1}{4}, \frac{3}{4}, \frac{1}{3}, \frac{2}{3}$ का चित्रों के माध्यम से मिलान करवाना। छायाकिंत भाग से भिन्न बताना। संख्या रेखा पर भिन्न दर्शाना व मिश्र भिन्न की समझ बनाना। भिन्न संख्या का वाचन करवाना। **व्यक्तिगत कार्य :–** प्रत्येक छात्र को भिन्न के अभ्यास कार्य जैसे भिन्न संख्याओं को संख्या रेखा पर दर्शाना। छायाकिंत भाग को देखकर भिन्न संख्या लिखवाना। तुल्य भिन्न की अवधारणा व समझ बनाना। गृह कार्य व कक्षा–कक्ष कार्य देना।	छात्रों की रूचि, लगन के आधार पर आकलन करना। छात्रों की समूह सहभागिता के आधार पर आकलन। छात्रों के कक्षा–कक्ष कार्य व गृह कार्य के आधार पर आकलन।	**साप्ताहिक ..... से ..... तक** सहभागिता – छात्रों ने रूचिपूर्वक भिन्न संख्याएं बनाना सीखा। कठिनाई – छात्रों ने भिन्न संख्याओं की तुलना में कुछ कठिनाई महसूस की। अनुभव – पाठ योजना से शिक्षण कार्य समय पर व सुचारू रूप से आनन्ददायी रहा।

http://rajteachers.com/cce.php

समूह 1 के लिए क्षमता संवर्धन योजना :–

1. भिन्न संख्या की समझ विकसित करना।
2. अंश व हर की समझ विकसित करना।
3. भिन्न संख्याओं से पूर्ण संख्या बनाने की क्षमता का विकास करना।
4. उचित भिन्न, मिश्र भिन्न व तुल्य भिन्न की समझ बनाना।

समूह 2 के लिए शिक्षण उद्देश्य :–

रोटी के टुकड़ों के माध्यम से भिन्न की समझ बनाना। चित्रों के खण्ड बनाकर भिन्न संख्याओं की समझ विकसित करना।

समूह 2 के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना (सामूहिक,उपसमूह,व्यक्तिगत) :–

सामूहिक कार्य :– छात्रों को रोटी के बराबर–बराबर टुकड़ों को वितरण के उदाहरण द्वारा भिन्न संख्या को समझाना। चित्रों के छायाकिंत भाग बताकर भिन्न संख्या लिखना व वाचन कर समझाना।

उपसमूह कार्य :– संख्या रेखा पर छोटी–छोटी संख्याओं के भिन्न संख्या दर्शाना। लिखी हुई भिन्न संख्या को पहचान कर बोलना। भिन्न संख्या की तुल्य भिन्न बनाना।

व्यक्तिगत कार्य :– संख्या रेखा चार्ट पर भिन्न संख्या लिखना। भिन्न संख्याओं की तुलना करना। तुल्य भिन्न से भिन्न संख्याओं की तुलना करना। गृह कार्य करना।

पाक्षिक योजना में अधिगम उपलब्धि :–

छात्र भिन्न संख्याओं की समझ बना चुके हैं।

छात्रों द्वारा भिन्न संख्याओं के क्रिया–कलाप व गतिविधि के आधार पर आकलन।

छात्रों की सीखने के प्रति तत्परता व लगन के आधार पर आकलन।

पाक्षिक
..... **से** ..... **तक**

संस्था प्रधान का अभिमत :–

पाठ योजना सफल व सार्थक रही। छात्रों के लेखन कार्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

हस्ताक्षर शिक्षक

हस्ताक्षर संस्था प्रधान

http://rajteachers.com/cce.php